DC Edutimes
October-2011
Monthly News Letter
Edition-14, October-2011

DC EDUTIMES

डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टोहाना

The DEFENCE POST-GRADUATE COLLEGE OF EDUCATION

(Affiliated to CDLU, Sirsa & Approved by NCTE, Jaipur)

Highlights......

⇒2 अक्टूबर को गांधी जंयती

⇒दशहरा पर्व का आयोजन

⇒कॉलेज प्रागण में अग्नि रोधक प्रशिक्षण कार्यक्रम

⇒दिपावली पर्व पर दीप सजावट प्रतियोगिता

⇒ बाल्मीकि जंयती पर बाल सभा का आयोजन।

दीपावली पर्व पर दीप सजावट प्रतियोगिता में भाग लेते हुए प्रतिभागी।

आपकी कर्मठता नींव के पत्थरों मे दर्ज है

डा. वीना सिंह।
चेयरपर्सन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

बदलते परिवेश के अनुसार मनुष्य एवं समाज दोनों का बदलना नितान्त आवश्यक होता है। मनुष्य अपने को सुरक्षित एवं संरक्षित तभी रख सकता है। जब वो अपनी बीती हुई घटनाओं का सही एवं गलत का आंकलन कर सही दिशा में चलने का प्रयास करें। यह तभी सम्भव हो सकता है। जब अपनी बीती घटनाओं का संकलन एवं प्रसार करें । इसी कडी में डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजूकेशन द्वारा एक सार्थक प्रयास किया जा रहा है। जिसका मै हार्दिक दिल से शुभकामनाओं के साथ इस 'न्यूसलैटर' को सम्पादित करने की सम्मति प्रदान करती हूँ।

डा. वीना सिंह।
चेयरमैन, हेरीटेज वर्ल्ड सोसाईटी।

संदेश

जीवन, जीने की एक कला है जो किसी किसी को आती है। जो व्यक्ति इस कला को सीख जाता है। उसे उत्कृष्ट मुकाम पर पहुचने से कोई नहीं रोक सकता। इसके लिए मनुष्य को चरित्र आचरण एवं ब्रह्मचर्य का दिवाना होना चाहिए। डीफेस पी.जी. कालेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो न्यूज स्लैटर का सम्पादन किया जा रहा है। वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। इसके द्वारा कॉलेज की गतिविधियों से छात्र, अध्यापक, अभिवावक एवं समाज परिचित होता रहेगा। आशा है इसमें अपने सुझावों को देकर हमें अनुग्रहित करें

धन्यवाद सहित

प्रशासक
श्री वेदपाल मोर,

प्रशासक श्री वेदपाल मोर,

संदेश

समय के साथ बदलता परिवेश हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में अवश्य प्रभावित करता है, क्योंकि समय परिवर्तनशील है, उसी संदर्भ में मनुष्य की प्रवत्तियां भी बदलती रहती है। इसी परिप्रेक्ष्य में हमारा परिवार विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं संस्कार देकर उनकी असीम उर्जा को समाज हित में परिवर्तन करने की ओर अग्रसर है। डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा जो मासिक समाचार पत्र ''न्यूज स्लेटर'' का सम्पादन किया जा रहा वह शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रभावशाली कदम है। जिससे कॉलेज की प्रत्येक गतिविधि का पता हमारे समाज की हर इकाई तक पहुंचे। इससे विद्यार्थियों में सृजनात्मक शक्ति का विकास होगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

प्रिंसिपल
डा. राकेश दूबे

Historical Perspectives of the College

Defence P.G. College of Education was established in 2004. this college is run by International Heritage Research & Education society(Regd) Tohana. This college was started with 100 seats of B.Ed Course. Now this college has 35 seats of M.Ed, 200 seats of B.Ed, 50 Seats of D.Ed and 50 seat of C.P.Ed. Course. The college has excellent infrastructure and well qualified and experienced faculty. The college has well equipped and well stocked library which have more than 10,000 books of different subject areas. The college has built an impeccable reputation by adhering to the quality standards in education. It aims at inculcating the right attitudes, values, ideas & ideologies amongst the students.

Our college has following objectives:

- To provide Teacher Education of the highest standard in the field of teaching profession.
- To prepare ideal teacher for the society.
- To fathom the ocean of knowledge and remove the clouds of ignorance.
- To enlighten the consciousness and awareness among the youth to investigate within themselves.
- To illuminate self interacting of dynamics of reasoning ability and enliven the infinite creative potential of life within the intelligence of every individual with a gesture to develop the genuine in man and fulfill concept of perfection in education.

BIRTHDAY CONGRATULATION

Dear students Many Many Happy returns of the day. May God Bless you for the rich love and beauty that springs from your spirit.

October - 2011

R. No.	**Students Name**	**Birthday Dates**
3	Reena Yadav	October-4
14	Reena Devi	October-2
32	Vinodi Rani	October-30
40	Jyoti Rani	October-21
10	Vikash Kumar	October-10

पर्यावरण

प्रकृति का कण–कण रहस्य से भरा हुआ है। इस रहस्य को समझने तथा उसके परिणामों को ज्ञात करने के लिए पर्यावरण विषय ने जन्म लिया। सृष्टि की उत्पति के सम्बन्ध में कई धारणाएं है, उनमें से एक विकासवाद है। इस धारणा के अनुसार आज से हजारों, लाखों तथा करोंड़ों वर्ष पूर्व पृथ्वी सूर्य से अलग होकर एक ग्रह के रूप में विकसित हुई। कालान्तर में उस पर जीवों की उत्पति और विकास हुआ। मानव उत्पति तथा प्रकृति का इतिहास और संबंध अत्यन्त प्राचीन तथा प्रकृति की विकास यात्रा का लम्बा चरण है।

मनुष्य ज्यों –ज्यों बुद्धि एवं संज्ञान के आधार पर आगे बढता गया, उसी क्रम में उसकी प्रकृति के रहस्यों को जानने की उत्कण्ठा और बलवती तथा अतृप्त होती चली गयी। मनुष्य ने भौतिक विकास के लिए सुख–सुविधाओं की प्राप्ति हेतु वस्तुओं की लम्बी सूची का निर्माण कर लिया और अपनी ज्ञान पिपासा को तृप्त करने के लिए नवीन साधनों की खोज करने लगा। इस कारण पर्यावरण दिवस आज शिक्षा की महता तथा अनिवार्य आवश्कता बनकर हमारे समक्ष उभरा है व्यक्ति के आसपास व चारों ओर जो कुछ भी है , वही पर्यावरण कहा जाता है। मानव के चारों ओर फैले हुए वातावरण को पर्यावरण की परिधि में माना जाता है। वह पर्यावरण द्वारा वैयक्तिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में विकास करता है। अगर मानव को अच्छा वातावरण नहीं दिया जाए तो वह आदर्श मानव के रूप में अपने को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता।

डा. राजपाल सहसम्पादक

2 अक्टूबर को मनाया गया गांधी जंयती

2 अक्टूबर 2011 डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ ऍजूकेशन में गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने गांधी जी के जीवन – दर्शन पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने राष्ट्र भक्ति गीतों के माध्यम से भारत की आजादी के लिए शहीदों को याद किया। कॉलेज के प्राचार्य राकेश दूबे जी ने गांधी जयन्ती पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हूए गांधी जंयन्ती की बधाई दी। डा. राकेश दूबे जी ने विद्यार्थियों को गांधी जी की तरह सत्य, अहिसां, त्याग जैसी भावनाओं पर चलने के लिए प्ररित किया। उनहोंने महात्मा गांधी जी के शिक्षा दर्शन को भी बताया कि गांधी जी ने बेसिक प्रणाली लागू की जिससे भी बालक को प्रत्यक्ष ज्ञान करवाया जा सके। इस उपलक्ष्य पर डी. एड. के छात्र–छात्राओं ने कविताओं तथा हास्य रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं का मनोंरजन किया । इस कार्यक्रम में कॉलेज के अन्य प्रवक्तागण डा. उस्मान खान, डा. राजीव, डा. राजपाल, आशु अरोड़ा, श्री अनिल, श्री जगबीर, श्री नरेन्द्र रोहिला, श्री धर्मबीर, श्रीमती वन्दना दूबे व श्रीमति रीतू भी उपस्थित थें।

श्री राम कृष्ण परमहंस सभागार में मनाया गया दशहरा उत्सव।

आज दिनांक 7–10 –2011 को डिफेंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन में दशहरा पर्व बड़े हर्षोउल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉलेज के प्रिंसीपल महोदय ने विद्यार्थियों को दशहरा पर्व का अर्थ बताते हुए कहा कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का है। सुर्यदीप डी. एड के छात्र ने चुटकले सुनाकर सबको खुश किया। मंतारी ने देशभक्ति का गीत सुनाकर सबको देशप्रेम की भावना से भर दिया। पूनम रानी ने अपनी कविता 'जिन्दगी' के माध्यम से बताया कि जिन्दगी बहुत खूबसूरत है इसका हर पल दिल से जीना चाहिए। सुनील, डी.एड. के छात्र ने 'दोस्ती' कविता के माध्यम से राम और सुग्रीव की मित्रता का वर्णन किया और इसके साथ छात्रा मीना और ज्योति में बहुत ही अच्छा नृत्य पेश किया। इस आयोजन में कॉलेज के सभी प्रवक्ता शामिल थें जैसे – वन्दना दूबे, नरेन्द्र, जगबीर, ईशा, डा. इन्द्रजीत व विशाल सक्सैना। इस प्रकार कॉलेज में यह त्योहार मनाकर सभी विद्यार्थियों का अच्छाई के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया।

दशहरा पर्व पर अपनी प्रस्तुती पेश करती हुई छात्राएं

बाल्मीकि जयंती का आयोजन किया गया

डिफेंस पी.जी. कॉलेज में मनाया गया भगवान बाल्मीकि जंयती दिवस। इस दिवस पर कालेज की उप–प्राचार्या डा. अमिता अग्रवाल जी ने विद्यार्थियों बाल्मीकि जयंती की बधाई दी । विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रस्तुति गान के माध्यम से

भगवान बाल्मीकि जी को पुष्प अर्पित किए। विद्यार्थियों ने भगवान बाल्मीकि जयंती दिवस पर बाल सभा का आयोजन कियां जिसमें विद्यार्थियों ने लोकगीत, धार्मिक गीत, चुटकुलों कविताओं मे माध्यम से बाल्मीकि जंयती दिवस मनाया। इस अवसर पर कॉलेज के अन्य प्रवक्तागण डा. उस्मान खान, डा. राजीव, डा. राजपाल, आशु अरोड़ा, श्री अनिल, श्री जगबीर, श्री नरेन्द्र रोहिला, श्री धर्मबीर, श्रीमती वन्दना दूबे व श्रीमति रीतू भी उपस्थित थें।

डिफेंस पी.जी. कॉलेज में अग्नि रोधक कार्यक्रम का आयोजन ।

आज डिफेंस कॉलेज में अग्नि रोधक कार्यक्रम के दोरान Rock contract & placement service के विशेषज्ञों ने बताया कि छोटी जगहों पर आग लगने पर मौसम के अनुरूप और समय के अनुरूप आग का आधार तैयार होता है। यदि प्रातः काल के समय में आग लगी है तो हवा में अधिक दबाव में कारण आग नीचले स्तर पर होती है। इस समय कोशिश करनी चाहिये कि उपर की ओर या बीच की ओर से सुरक्षात्मक तरीके अपनाने चाहिये दोपहर के समय तापमान की अधिकता के कारण और वायु दबाव के कम होने के कारण आग मध्यम स्तर पर रहती है इस समय मे आग से बचने के लिए लेट कर चलना चाहिये । शाम के समय लगी हुई आग उपरी स्तर पर होती है ।

अग्नि रोधक प्रशिक्षण कार्यक्रम में Rock contract & placement service के विशेषज्ञ जानकारी देते हुए।

अतः उस समय घुटनों के बल चल कर बाहर आना चाहिये या आग से सूरक्षा करनी चाहिए आग लगने की दशा में आग के फैलाव को रोकने के लिए ऑक्सीजन के माध्यमों को बंद करना चाहिए। आग को बुझाने के लिए बालू और ऊनी भारी वस्त्रो का प्रयोग करना चाहिए तांकि आक्सीजन का मिलना रोका जा सके। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के सामने आग पर नियंत्रण करने के प्रयोग बताए। विद्यार्थियों ने भी बड़ी उत्सुकता से इस कार्यक्रम को ध्यान पूर्वक देखा एवं सिखा इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डा. राकेश दूबे, उप प्रचार्या डा. अमिता अग्रवाल, व अन्य प्रवक्तागण डा. उस्मान खान, डा. राजीव, डा. राजपाल, आशु अरोड़ा, श्री अनिल, श्री जगबीर, श्री नरेन्द्र रोहिला, श्री धर्मबीर, श्रीमती वन्दना दूबे व श्रीमति रीतू भी उपस्थित थें।

दीपावली उत्सव पर दीप सजावट प्रतियोगिता का आयोजन

डिफेंस पी.जी. कॉलेज ऑफ एजूकेशन में दीवाली पूर्व के उपलक्ष्य में दीप सजावट प्रतियोंगिता तथा रगौंली व महेंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया डिफेंस कॉलेज की प्रवक्ता व कलात्मक कार्यशाला की प्रभारी श्रीमती वन्दना दूबे जी ने इस प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मक तथा सृजनात्मक कार्यशैली को अभिप्ररित करने के लिए किया। जिसमें दीप सजावट, रंगोली तथा मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने तरह–तरह के आकर्षित दीप सजावट की, रगोंली

प्रतियोगिता में डी.एड. प्रथम की छात्रा मीना ने प्रथम स्थान पाया। मेंहदी प्रतियोगिता में डी.एड. प्रथम की छात्रा रजनी गुप्ता ने प्रथम स्थान पाया। दीप सजावट प्रतियोगिता में कोमल मैहता प्रथम स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका प्रवक्ता श्री नरेन्द्र रोहिला, श्रीमति प्रीति, श्रीमति रीतू ने निभाई।

STUDENT CORNER

इंसान की पहचान

जलाते है कभी सपनों की चिता
दफन करते है कभी गमों को ।
दूसरी और कब्रिस्तान है।।

अब तो ये जिंदगी लगती
खाली मकान है।
देख रहे है। हम,
आ रहा तुफान है।।

शायद खत्म हो जाए हमारा अस्तित्व,
इसका हमें अनुमान है।।
कैसे सहन करें इतना,
आखिर हम भी तो इंसान है।

सब साथ है हमारे,
फिर भी खाली लगता ये जहान है।
कुछ गलतियां नहीं की
लेकिन हो रहे बदनाम है।

दूसरों को दिया फायदा
पर खुइ का किया नुकसान है।
पर हर गम का छिपाती
चेहरे पर एक मुस्कान है।

बचा लिया जिसने हमें,
उस खुदा का अहसान है।
अब दोबारा ना हो गलती
बस रखना इसका ध्यान है।

अपनी जो खो चुके है,
दोबारा बनानी पहचान है।।

कोमल खरब
रोल न. 4

जिदंगी

एक अजीव सी पहेली है जिन्दगी
साथ होते हुए भी अकेली है जिन्दगी
कभी तो प्यारा सा अरमान है जिन्दगी
कभी दर्द से भरा तूफान है जिन्दगी
कभी कांटो से भरा रास्ता है जिन्दगी
कभी फूलों सी मासूम हो जाती है जिन्दगी
कोई बता दे मुझे क्या है जिन्दगी
जिन्दगी को छोड़ कर एक दिन जाना होगा
मौत को एक दिन गले लगाना होगा।
ऐ बन्दे कुछ ऐसा जी के जाना इस जहां से कि बन जाए
इक प्यारा सा इतिहास ये जिन्दगी

ज्योति रानी, रो.न. 40, डि.एड. एक

नौकरी

मै एक दिन जा रही थी घर की ओर,
बैठा था एक जोगी सड़क के उस छोर।
लगाई आवाज उसने, दिखा लो अपना हाथ,
छोड़कर एक चीज बता दूंगा, सब शर्त के साथ।
अपने भविष्य की लालसा मेरे मन में जागी,
उल्टे पांव जोगी को हाथ दिखाने भागी।
मैने कहा– 'बता दो मेरे भाग्य में क्या लिखा है?
जोगी बोला –'सितारे हैं अच्छे , भाग्य है उज्ज्वल।
पढ़ने में तेज हो, यूं ही पढती जाओगी,
मैने कहा–'बाबा ये सब तो ठीक हैं।
कुछ नौकरी का बताओ?
बाबा बोला– यह चीज अनिश्चित है पूछना है तो सरकार के पास जाओ।
नौकरी के लिए नेता जी की पूजा करो,
गेर वो मान गए, बस वही एक आस है,
हमसे तो वे रूठ गए, नही तो हम भी बी. ए. पास है।

रेखा, रो.न. 5, बी. एड.

सुनामी लहर का कहर

उठी जो लहरें समुद्र मे, छुने के लिए आकाश को ।
लेकिन बहा कर वो ले गई, खुशियों के प्रकाश को।
आया था नया साल, हजारों खुशियों को समेटे हुए।
पर क्या पता था ले जाएगा अपने साथ,
हजारों आखों की खुशियों को लपेटे हुए।

संत राज, रो. न. 9

STAFF CORNER

लाइब्रेरी जाने की आदत डालें

लगभग सभी स्कूल व कॉलेजों में पुस्तकालय की सुविधा होती है और सभी विद्यार्थियों को लाइब्रेरी कार्ड भी इश्यू होते है। लेकिन प्रायः देखा गया हैं कि अनेक विद्यार्थी कभी पुस्तकालय जाते ही नहीं और न ही वे वहां से किताबें इश्यू करवाते हैं। बस लाइब्रेरी कार्ड घर पर रखे रखते है। उन्हे घर पर रखी किताबें पढ़ने से फुरसत नहीं होती, वे लाइब्रेरी की किताबें कब पढ़ेगे? और ऐसे विद्यार्थी परीक्षा में पिछड़ जाते है वे ज्यादा अच्छे अंक नहीं ला पाते ।

कुछ विद्यार्थी अखबार पढ़ना समय की बरबादी मानते है जो बिल्कुल गलत है जबकि ये ज्ञान का भंडार होते है। आपके शहर व समाज में घटित घटनाओं की जानकारी के अलावा और बहुत सी सामान्य ज्ञान की जानकारी भी प्राप्त होती है। सम्पादकियों के माध्यम से हम अपने आपको विचारशील बना सकते है। अतः पुस्कालय जाकर प्रतिदिन अखबार पढना चाहिए।

जो विद्यार्थी अपने करियर के प्रति गंभीर है वे पुस्कालय से विभिन्न लेखकों की पुस्तको के लेखों से नोटस तैयार कर सकते है। जो विषय की अवधारणा के अनुरूप आपके ज्ञान में वृद्धि का परिचायक होता है। जिससे आप परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकते है।

अगर आप भी उन विद्यार्थियों में से है जो पुस्तकालय नहीं जाते तो आज ही अपनी आदत बदल डालिए और संकल्प लें कि आप अपने स्कूल–कॉलेज की लाइब्रेरी में नियमित रूप से जाएंगे और वहां उपलब्ध पुस्तकों, पत्रिकाओं और समाचार–पत्रों से लाभ उठाएंगे।

पुस्कालयाध्यक्ष, पवन कुमार भौसलें

सफलता के लिए जरूरी है दृढ़ निश्चय

किसी भी महान व्यक्ति के सफल जीवन का अध्ययन किया जाए तो पता चलता है कि उसकी कामयाबी की नींव में उसका दृढ़ निश्चय होता है। 10वीं की परीक्षा के बाद स्कूल के हैडमास्टर ने लाल बहादुर शास्त्री से पूछा था–''लाल तुम क्या बनोगें''? तो लाल ने तपाक से कहा '' मैं देश का प्रधानमंत्री बनूंगा''। आंरभ में ही मन में ठाना यह निश्चय था जिस कारण शास्त्री जी देश के प्रधानमंत्री बनें।

बाधाएं तो आती ही है। जीवन पग–पग पर बाधाओं से भरा रहता है, परंतु हाँ निश्चयी व्यक्ति अपने निश्चय के बल पर उन पर सफलता से विजय पा लेता है। क्या आवश्यकता थी महान न्यूटन को ? से पेंड़ से गिरा तो उठा कर न्यूटन वह सेब खा सकते थे, परंतु उन्होने उस रहस्य से पर्दा उठाने का दृढ़ निश्चय कर लिया और विश्व को दिया गुरूत्वाकर्षण का सिद्धात। यह केवल न्यूटन के दृढ निश्चय का ही परिणाम था।

अतः निश्चय जितना पक्का होगा, सफलता का आधार भी पक्का होगा। जिस व्यक्ति ने काई निश्चय ही नहीं किया वह क्या बनेगा? उसका जीवन तो उस सरिता की भांति है। जिसका कोई मार्ग ही निर्धारित नहीं है। जहां उसे सीधी राह दिखाई देती है, उसी तरफ बहती रहती है। अतः अगर हमें जीवन में सफल होना है तो हमें भी जीवन का लक्ष्य को निर्धारित करते हुए दृढ निश्चय और इमानदारी से कार्य करना प्रारंभ कर देना चाहिए।

प्रवक्ता धर्मवीर खटकड़

शिक्षा

राहगीर चला जा रहा था उसने देखा मील का पत्थर गड़ा हुआ उसे दूरी बता रहा था। राहगीर बोल उठा तुम भी कैसे हो जहां गड़ गए, वहां से हिलते भी नहीं देखो मेरी तरफ –देखो सारे संसार का भ्रमण करता हूँ। आंनद ही आंनद है मौज ही मौज है, पत्थर ने धीमी आवाज में लेकिन शिष्ट स्वर में उतर दिया बंधु! मुझे देखकर लोग दूरी का अनुमान लगाकर संतुष्ट हो जाते है। उन्हें लगता है कि अब गंतव्य पास है। यह संतोष क्या कम है। जो मैं सेवा धर्म के नाते उन्हे दे पाता हूँ फिर मैं क्यों निरूदेद्शय तुम्हारी तरह भटकता फिरू वह तुम्ही को मुबारक हो मुझे तो मेरी यही सेवा ठीक लगती है, राहगीर निरंतर हो एक ही सीख लेकर आगे बढ गया।

नरेन्द्र रोहिला
प्रवक्ता

नवम्बर माह की गतिविधियों का विवरण इस प्रकार

⇒ 1 नवम्बर को हरियाणा दिवस

⇒ 14 नवम्बर को बाल दिवस

⇒ दो दिवसीय 19, 20 को नैशनल सेमिनार का आयोजन

⇒ दिव्य प्रेरणा प्रकाशन ज्ञान प्रतियोगिता

⇒ दीक्षान्त समारोह व डी.एड. फ्रैसर पार्टी

डिफेंस पी. जी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन की नई निर्माणाधीन इमारत का दृश्य

Chief Editor- Dr. Rakesh Dubey, Editor – Dr. Rajpal, Reporter- Mr. Narender Rohila,
Composer – Mr. Balkar Singh Nain